JSUNIL TUTORIAL
ACBSE Coaching for Mathematics and Science

संकलित परीक्षा - I (2014)

PBHC94M

हिन्दी 'अ'

कक्षा - X

निर्धारित समय : 3 घण्टे | अधिकतम अंक : 90

निर्देश :

(1) इस प्रश्न-पत्र के **चार खंड** हैं - **क, ख, ग** और **घ**।

(2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खण्ड-क

(अपठित बोध)

1 **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए—** 5

यह बात भी ध्यान में रखने की है कि मध्यकालीन भारत यानी इतिहास का वह लंबा दौर जो विदेशी आक्रांताओं के हमलों, पराधीनता और भारी उथल-पुथल का रहा है; उसमें बालसाहित्य के क्षेत्र में बहुत कम काम हुआ है। यहाँ तक कि भारतेंदु तथा द्विवेदी युग में भी जब साहित्य की दूसरी विधाओं में नये-नये प्रयोग हो रहे थे, तब बालसाहित्य के क्षेत्र में प्रायः जड़ता ही व्याप्त रही। जिन थोड़े-से साहित्यकारों ने बालसाहित्य की धारा को नया मोड़ देने की कोशिश की, परंपरावादियों के वर्चस्व के कारण उनका प्रभाव बहुत सीमित रहा। इससे हम अंदाजा लगा सकते हैं कि गुलाम मानसिकताएँ प्रायः, अपने भविष्य की ओर से मुँह मोड़े रहती हैं। उनमें अपने भविष्य निर्माण हेतु जरूरी चेतना का अभाव होता है।

(i) "बाल-साहित्य के क्षेत्र में प्रायः जड़ता ही व्याप्त रही", पंक्ति का आशय है —

(क) बाल-साहित्य बिलकुल नहीं लिखा गया।

(ख) बाल-साहित्य प्रायः नहीं लिखा गया।

JSUNIL TUTORIAL

(ग) बाल-साहित्य के प्रति लेखक जड़ बने रहे।

(घ) बाल-साहित्य का घटिया लेखन हुआ।

(ii) भारतीय इतिहास का एक बहुत बड़ा समय निकल गया था —

(क) श्रेष्ठ रचनाओं के लेखन में।

(ख) आक्रमणों से त्रस्त रहने में।

(ग) आक्रमणों, पराधीनता तथा भारी उथल-पुथल को झेलने में।

(घ) वीर योद्धाओं द्वारा दुश्मनों का सामना करते रहने में।

(iii) गुलाम मानसिकता से तात्पर्य है —

(क) गुलामी के कारण राष्ट्र की अधोगति। (ख) गुलामी को सोच

(ग) गुलामी के बारे में सोचना (घ) गुलामी से मुक्ति

(iv) भारतेन्दु और द्विवेदी युग में हिंदी साहित्य में प्रयोग हुए थे —

(क) नई-नई योजनाओं के।

(ख) राष्ट्रोन्नयन के।

(ग) विविध भवन-निर्माणों के।

(घ) साहित्य की विविध विधाओं में लेखन के।

(v) गद्यांश में चिंता व्यक्त की गई है लेखकों के द्वारा —

(क) सत्साहित्य लेखन के प्रति उत्साहित न होना।

(ख) बाल-साहित्य लेखन के प्रति निरुत्साह दिखाने पर।

(ग) लेखन बंद कर देने पर।

(घ) चाटुकारीपूर्ण लेखन पर।

JSUNIL TUTORIAL

JSUNIL TUTORIAL
ACBSE Coaching for Mathematics and Science

2 **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए—** 5

आत्मनिर्भरता मनुष्य को श्रेष्ठ बनाती है। स्वावलंबी मनुष्य को अपने आप पर विश्वास होता है जिससे वह किसी के भी कहने में नहीं आ सकता। यदि हमें कोई काम सुधारना है तो हमें किसी के अधीन नहीं रहना चाहिए बल्कि उसे स्वयं करना चाहिए। एकलव्य स्वयं के प्रयास से धनुर्विद्या में प्रवीण बना। निपट, निर्धन विद्यार्थी लाल बहादुर शास्त्री भारत के प्रधानमंत्री बने, साधारण से परिवार में जनमे जैल सिंह स्वावलंबन के सहारे ही भारत के राष्ट्रपति बने। जिस प्रकार अलंकार काव्य की शोभा बढ़ाते हैं, सूक्ति भाषा को चमत्कत करती हैं, गहने शरीर का सौंदर्य बढ़ाते हैं, उसी प्रकार आत्मनिर्भरता मानव में अनेक गुणों की प्रतिष्ठा करती है। आत्म-निर्भर व्यक्ति कठिन से कठिन कार्य को स्व-विवेक तथा तत्परता के द्वारा सरल बना लेता है। अतएव स्वावलंबन व्यक्ति का आभूषण है।

(i) अलंकारों द्वारा काव्य की शोभा बढ़ाने की भाँति ही व्यक्ति की शोभा बढ़ाने वाली उसकी सद्वृत्ति होती है —

(क) सत्यभाषण (ख) प्रातःकाल जगना

(ग) सद्व्यवहार (घ) आत्म-निर्भरता

(ii) भारत के पूर्व राष्ट्रपति ज्ञानी जैलसिंह का जन्म हुआ था —

(क) सम्पन्न परिवार में (ख) दरिद्र परिवार में

(ग) साधारण परिवार में (घ) आत्मनिर्भर परिवार में

(iii) आत्मनिर्भर रहने वाला व्यक्ति होता है —

(क) बहकावे में न आनेवाला मानव (ख) सदा आगे रहनेवाला

(ग) मान-सम्मान से दूर (घ) पीछे-पीछे चलनेवाला

(iv) स्वयं के प्रयास से प्रवीण बनने वाला धनुर्धर था —

(क) अर्जुन (ख) अभिमन्यु

(ग) एकलव्य (घ) अश्वत्थामा

(v) ''सूक्ति भाषा को चमत्कृत करती है'' वाक्य का कर्मवाच्य में परिवर्तित रूप होगा —

JSUNIL TUTORIAL

JSUNIL TUTORIAL
ACBSE Coaching for Mathematics and Science

(क) सूक्ति भाषा को चमत्कृत करने वाली है।

(ख) भाषा को सूक्ति द्वारा चमत्कृत किया जाता है।

(ग) वह सूक्ति है जो भाषा को चमत्कृत करती है।

(घ) सूक्ति ही भाषा को चमत्कृत करती रहती है।

3 **निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए।** 5

कानपूर के नाना की, मुँहबोली बहन 'छबीली' थी,

लक्ष्मीबाई नाम, पिता की वह संतान अकेली थी,

नाना के सँग पढ़ती थी वह, नाना के सँग खेली थी,

बरछी, ढाल, कृपाण, कटारी उसकी यही सहेली थी,

वीर शिवाजी की गाथाएँ उसको याद जबानी थीं।

बुंदेले हरबोलों के मुँह हमने सुनी कहानी थी–

खूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसीवाली रानी थी।

हुई वीरता की वैभव के साथ सगाई झाँसी में,

ब्याह हुआ , रानी बन आई लक्ष्मीबाई झाँसी में,

राजमहल में बजी बधाई, खुशियाँ छाईं झाँसी में,

सुभट बुंदेलों की विरुदावलि-सी वह आई झाँसी में,

चित्रा ने अर्जुन को पाया, शिव से मिली भवानी थी।

बुंदेले हरबोलों के मुँह हमने सुनी कहानी थी–

JSUNIL TUTORIAL

खूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसीवाली रानी थी।

(i) कविता के आधार पर छबीली नाम था,-

(क) मुँहबोली का (ख) लक्ष्मीबाई का

(ग) लक्ष्मीबाई की बहिन का (घ) दुर्गावती का

(ii) लक्ष्मीबाई की सहेलियाँ बताई गई हैं,-

(क) दुलारी, रमाबाई आदि (ख) बरछी और ढाल

(ग) बरछी, ढाल, कृपाण और कटार जैसे शस्त्र (घ) तीर और कमान

(iii) रानी को जीवन-कथाएँ याद थीं-

(क) शिवाजी की यश गाथाएँ (ख) महाराणा प्रताप की

(ग) पन्ना धाय की (घ) महाभारत की

(iv) कविता में वर्णित 'वीरता' और 'वैभव' शब्द प्रतीक हैं,-

(क) वीर पुरुष और धन के

(ख) मान और वैभव के

(ग) ज्ञान और शान के

(घ) वीरांगना लक्ष्मीबाई और वैभवशाली गंगाधर राव महाराजा के

(v) ''सुभट बुंदेलों की विरुदावलि-सी वह आई झाँसी में '' में अलंकार है-

(क) रूपक (ख) उपमा

(ग) श्लेष (घ) अनुप्रास

4 **निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए।** 5

JSUNIL TUTORIAL

जब भोर में पहुँचा था मेड़ पर

अरहर और मसूर तुषार से जल गई थी खेत पर

शाम तक हरी भरी खेत की फसलें-रात के तुषार में मर गई थी

गेहूँ भी बरबाद हो गया, घबराहट से चेहरा हो गया पीला

सपने सब बिखर गये अब तो रास्ता कंटीला

जीभ सूख गई-गर्दन लटक गई

पूरे साल की कल्पना यात्रा

एक रात में भटक गई

और मायूस होकर घर आया

पत्नी ने उत्साहित होकर

अगले माह बेटी के पुक्कयात का याद दिलाया

भीतर से माँ बोली

बेटा समय किसने देखा है

जितना जल्दी कर दो वही चोखा है

अब और नहीं सुनूँगी तुम्हारी बात

बस इसी साल फसल आने पर

कर देना नातिन के पीले हाथ

किसान फिर चकराकर

अंदर से रोया

पर ऊपर से मुस्कराया

दूध का गिलास हाथ से छूट गया

JSUNIL TUTORIAL

सपनों के काँच का महल

बस रात भर मे टूट गया

अब कैसे चुकेगा कर्ज

अब कैसे निभेगा पिता और बेटे का फर्ज

(i) किसान की पूरे साल की कौन-सी कल्पना यात्रा थी एक रात में भटक गई?

(क) इस साल अच्छी फसल होगी

(ख) वह पिता और बेटे का फर्ज और महाजन का कर्ज निभाएगा-चुकाएगा

(ग) माँ के आदेश का पालन करेगा

(घ) पत्नी के उत्साह को मन्द न होने देगा

(ii) किसान का चेहरा पीला पड़ने का कारण था,-

(क) घबराहट और आकुलता (ख) फसल का चौपट होना

(ग) बनाई गई योजना का निष्फल होना (घ) तुषार का अधिक प्रकोप होना

(iii) पत्नी ने पति को याद दिलाया था,-

(क) आभूषण बनवाने का वायदा (ख) बेटी की शादी की पक्कयात

(ग) नए बीज बोने का इरादा (घ) नए मकान की संरचना का सपना

(iv) किसान को उसकी माँ के कथन का आशय है,-

(क) समय यों ही बीत जाता है (ख) समय बड़ा बलवान है

(ग) समय की गति अनिश्चित है (घ) समय पर काम होना चाहिए

(v) कविता में चित्रण है,-

(क) किसान की खेती का (ख) किसान की दुर्दशा का

(ग) किसान पर प्रकृति के प्रकोप का (घ) भारतीय किसान की वस्तु स्थिति का

JSUNIL TUTORIAL

JSUNIL TUTORIAL
ACBSE Coaching for Mathematics and Science

खण्ड-ख

(व्यावहारिक व्याकरण)

5 **निर्देशानुसार वाक्य रूपांतरण कीजिए -** 3

(i) नीरज जब घर आए तो सभी बहुत प्रसन्न हुए। (सरल वाक्य में)

(ii) बीमारी के कारण वह विफल हो गया। (संयुक्त वाक्य में)

(iii) सुरेश घर आते ही पढ़ने बैठ गया। (मिश्र वाक्य में)

6 **निम्नलिखित वाक्यों में निर्देशानुसार वाच्य-परिवर्तन कीजिए।** 4

(क) जगदीश कल मेरे लिए आम लाए थे। (कर्मवाच्य में)

(ख) हरीश हँसाने पर भी नहीं हँसा। (भाववाच्य में)

(ग) रामू द्वारा मेरे घर डाक पहुँचाई गई थी। (कर्तृवाच्य में)

(घ) तुम्हारे पिताजी ने मुझे अपनी पुस्तक दी थी। (कर्मवाच्य में)

7 **निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित का पद-परिचय लिखिए।** 4

(क) सतीश घर को चला गया।

(ख) जीवनसिंह दसवीं कक्षा में पढ़ता है।

(ग) आप अभी से धीरे-धीरे चलते हैं।

(घ) जगतसिंह प्रतिदिन पढ़ता है।

8 निर्देशानुसार उत्तर दीजिए 4

(क) 'वात्सल्य' और 'वीभत्स' रसों के स्थायी भाव लिखिए।

(ख) निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों में निहित रसों के नाम लिखिए।

(i) 'केसव' काम को राम बिसारत और निकाम वे काम न ऐहैं।

चेत रे चेत अजौं चित अंतर अंतक लोक अकेलौइ जइ है।।

(ii) देखँ नहीं पाता मैं माँ के नयनों की जलधार।

JSUNIL TUTORIAL

JSUNIL TUTORIAL
ACBSE Coaching for Mathematics and Science

मेरा हृदय हिला देती है उनकी करुण पुकार।।

खण्ड-ग

(पाठ्य-पुस्तक)

9 **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।** (2+2+1) 5

क्या मतलब ? क्यों चेंज कर देता है ? हालदार साहब अब भी नहीं समझ पाए।

कोई गिराक आ गया समझो। उसको चौड़े चौखट चाहिए। तो कैप्टन किदर से लाएगा? तो उसको मूर्तिवाला दे दिया। उदर दूसरा बिठा दिया।

अब हालदार साहब को बात कुछ-कुछ समझ में आई। एक चश्मेवाला है जिसका नाम कैप्टन है। उसे नेताजी की बगैर चश्मेवाली मूर्ति बुरी लगती है। बल्कि आहत करती है, मानो चश्मे के बगैर नेताजी को असुविधा हो रही हो। इसलिए वह अपनी छोटी-सी दुकान में उपलब्ध गिने-चुने फ्रेमों में से एक नेताजी की मूर्ति पर फिट कर देता है। लेकिन जब कोई ग्राहक आता है और उसे वैसे ही फ्रेम की दरकार होती है जैसा मूर्ति पर लगा है।

(क) नेताजी की मूर्ति पर दृष्टि पड़ने पर हालदार साहब ने उसकी किस वस्तु में बदलाव देखा और इस संदर्भ में उन्हें क्या कारण बताया गया ?

(ख) चश्मेवाले को लोग किस नाम से पुकारते थे और हालदार साहब की समझ से चश्मेरहित नेताजी की मूर्ति को देखकर उस व्यक्ति को कैसा अनुभव होता होगा ? स्पष्ट कीजिए।

(ग) गद्यांश के पाठ तथा लेखक का नाम लिखिए।

निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए-

10(i) यह कैसे कहा जा सकता है कि बालगोबिन भगत की पतोहू एक आदर्श पतोहू थी? क्या आधुनिक समय में भी इस प्रकार का आदर्श प्रासंगिक माना जा सकता है? 2

(ii) फ़ादर कामिल बुल्के की साहित्य-साधना पर संक्षिप्त प्रकाश डालिए। 2

JSUNIL TUTORIAL

JSUNIL TUTORIAL
ACBSE Coaching for Mathematics and Science

(iii) ''लखनवी अंदाज़'' कहानी के शीर्षक की सार्थकता पर संक्षेप में प्रकाश डालिए। 2

(iv) ''नेताजी का चश्मा'' पाठ में वर्णित नेताजी की मूर्ति का वर्णन संक्षेप में अपने शब्दों में कीजिए। 2

(v) फादर कामिल बुल्के कितने समय तक भारत में रहे और कितनी उम्र में हम सभी को छोड़कर विदा हो गए? उन्होंने भारत में कहाँ पर रहकर अपना प्रसिद्ध 'अंग्रेज़ी हिंदी कोश' तैयार किया था? 2

11 **निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए — (2+2+1)** 5

छोटे से जीवन की कैसे बड़ी कथाएँ आज कहूँ ?
क्या यह अच्छा नहीं कि औरों को सुनता मैं मौन रहूँ ?
सुनकर क्या तुम भला करोगे मेरी भोली आत्म-कथा ?
अभी समय भी नहीं, थकी सोई है मेरी मौन व्यथा।

(क) कवि अपनी कथा कहने के बजाए क्या करना उपयुक्त समझते हैं और क्यों ?

(ख) ''थकी सोई है मेरी मौन व्यथा'' का भाव स्पष्ट कीजिए।

(ग) कविता का शीर्षक तथा कवि का नाम लिखिए।

12(i) कवि नागार्जुन 'फसल' को क्या मानते हैं ? स्पष्ट कीजिए। 2

(ii) पेड़ों की डालियों के 'कहीं हरे और कहीं लाल' होने तथा उनके उर में 'मंद-गंध-पुष्पमाल' पड़े होने विषयक स्वरूप वर्णन को अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए। 2

(iii) वसंत ऋतु में कोकिला की क्या भूमिका रहती है ? कवि देव ने उसे किस रूप में चित्रित किया है ? स्पष्ट कीजिए। 2

JSUNIL TUTORIAL

JSUNIL TUTORIAL
ACBSE Coaching for Mathematics and Science

(iv) कवि आत्मकथा कहने या लिखने के लिए उस समय को उपयुक्त क्यों नहीं मानते ? 2

(v) सूरदास की काव्य-भाषा की दो प्रमुख विशेषताएँ बताइए ? 2

13 ''जार्ज पंचम की नाक'' पाठ में वर्णित नाक की चोरी तथा नाकों को अजायबघरों में भेजे जाने विषयक उल्लेख में निहित व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए तथा बताइए कि यह प्रसंग हमें क्या प्रेरणा देता है ? 5

खण्ड-ब
(लेखन)

दिए गए संकेत-बिंदुओं के आधार पर निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 200-250 शब्दों में निबंध लिखिए।

14(i) **शिक्षक और नैतिक मूल्य** 10

- भूमिका
- शिक्षक-समाज का हितैषी
- नैतिक मूल्यों में गिरावट
- शिक्षक की भूमिका
- उपसंहार

अथवा

JSUNIL TUTORIAL

JSUNIL TUTORIAL
ACBSE Coaching for Mathematics and Science

(ii) **भाग्य नहीं, कर्म महत्त्वपूर्ण है।** 10

- भूमिका
- भाग्यवादी का सोच
- कर्म और भाग्य में समानता
- समाज में पुरुषार्थी का महत्त्व
- उपसंहार

अथवा

(iii) **आपदा-प्रबंधन** 10

- प्रस्तावना
- विविध आपदाएँ
- संरचनात्मक शमन
- तैयारी, बाद की कार्यवाही
- दुष्प्रभाव को कम करना
- उपसंहार

15 आपके मोहल्ले में विगत एक माह से चोरी की बहुत-सी वारदातें होती आ रही हैं। थानाध्यक्ष महोदय को कई पत्र लिखने पर भी कोई सुधार नहीं हुआ है। अत: अपने जिले के पुलिस अधीक्षक/आयुक्त महोदय को पत्र लिखकर तुरंत कार्यवाही करने हेतु प्रार्थना कीजिए। 5

16 **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसका एक तिहाई शब्दों में सार लिखिए —** 5

गणेश शंकर विद्यार्थी राजनैतिक जीवन बिताते हुए भी हिंदी का भरसक प्रचार करते थे। उन्होंने 'स्वराज्य साहित्य' का सृजन कराकर हिंदी साहित्य की स्थायी उन्नति की और राष्ट्रभाषा के प्रचार से राष्ट्रीय पुनरुत्थान को क्रियान्वित किया। वह राजनीतिक क्रांति के युग में जन्मे थे और हिंदी के माध्यम से उत्तरी भारत में पुनर्जागरण किया था। उन्होंने न केवल सामयिक साहित्य को प्रस्फुटित किया, वरन् अमर साहित्यिक कृतियों का निर्माण भी कराया।

उनका दृढ़ विश्वास था कि यदि सही दिशा में प्रयत्न हो तो हिंदी अवश्य ही सभी स्थानों में लोकप्रिय हो सकती है। उनका स्पष्ट मत था कि जब तक सार्वजनिक कामकाज हिंदी में नहीं होता, तब तक देश उन्नति नहीं कर सकता। इसका यह अर्थ नहीं कि सभी प्राँत अपनी क्षेत्रीय भाषाओं का प्रयोग बंद कर देंगे और हिंदी में बोलना और लिखना शुरू कर देंगे। प्रांतीय मामलों में क्षेत्रीय भाषा का ही प्रयोग होगा, केवल अंतर-प्रांतीय और राष्ट्रीय मामले राष्ट्रभाषा के माध्यम से ही होंगे न कि अंग्रेज़ी के माध्यम से।

JSUNIL TUTORIAL